Jain Engineers Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 10, Edition : 8 Indore, 20 August 2011 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT : The future depends on what we do in the present." - Mohandas Karamchand Gandhi

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, इन्दौर चेप्टर का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं छात्रवृत्ति कार्यक्रम

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, इन्दौर चेप्टर अपने मूल उद्देश्यों के अन्तर्गत प्रतिवर्ष शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु छात्रवृत्ति वितरण का कार्य करता है, इस वर्ष भी सेपियंट स्कूल ऑफ मेनेजमेंट मे आयोजित गरिमामय समारोह मे चेप्टर के सदस्यों के मेधावी बच्चों का शिक्षा मे अच्छे प्रर्दशन हेतु उनका सम्मान किया गया एवं सभी जेस सदस्यों ने आपस मे मिलकर छात्रवृत्ति हेतु दो लाख रुपयों की सहयोग राशी एकत्र की। इस राशि का उपयोग जरुरतमंद छात्रों की शिक्षा हेतु किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिध्द समाज सेवी एवं वरिष्ठ अभिवक्ता श्री अनिल त्रिवेदी थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष सेपियंट स्कूल ऑफ मेनेजमेंट के संचालक श्री हेमंत जैन थे। कार्यक्रम का आयोजन जेस फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री एस. के. बंडी के सानिध्य मे संपन्न हुआ। अपने संबोधन मे श्री एस.के. बंडी ने एक कविता के द्वारा ईश्वर के आकार की सुन्दर व्याख्या करते हुए बताया कि इन्सान की जरुरत के मुताबिक ही ईश्वर का आकार होता है।

अपने उदबोधन मे मुख्य अतिथि श्री अनिल त्रिवेदी ने शिक्षा, समाज एव धार्मिक व्यवस्था के अनेक पहलुओं को अपने अन्दाज मे विस्तृत रुप से समझाया। उन्होने देश मे हो रहे मिस मेनेजमेन्ट पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होने कहा कि सभी तरह के प्रोफेशन के बीच तालमेल की कमी से देश मे अव्यवस्थाओं का आकार बड़ रहा है। उन्होने धर्म के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हंए अहिंसा का पाठ प्रकृति से सीखने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सेपियंट स्कूल ऑफ मेनेजमेन्ट के संचालक श्री हेमंत जैन ने शिक्षा व्यवस्था मे आ रहे परिवर्तनों को एक आकर्ष वीडियो फिल्म के द्वारा प्रदर्शित किया।

समारोह मे चेप्टर के सदस्य श्री एस.के. जैन ने इन्दौर शहर मे बढ़ती गंदगी एवं बिगड़ती हुई यातायात समस्या पर अपना उदबोधन दिया एवं इसको नियंत्रित करने के उपाय भी बताये।

समारोह का संचालन करते हंए उपाध्यक्ष श्री निकेतन सेठी एवं सचिव श्री शेलेन्द्र जैन ने जेस इन्दौर चेप्टर की आगामी गतिविधियों की योजना रखी एवं अन्त मे सह सचिव श्री राजेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राजेश जैन
सह सचिव, जेस इन्दौर चेप्टर

जैन होने का गर्व महसूस कीजिये क्योंकि:

१. कुल इन्कम टेक्स का २४% हिस्सा जैनों का है।
२. कुल दान मे ६२% हिस्सा जैनों का है।
३. कुल १६,००० गौशाला मे १२,००० जैन समुदाय द्वारा संचालित हैं।
४. भारत मे कुल ५०,००० जैन मंदिर और तीर्थ क्षेत्र हैं।
५. ४६% शेयर दलाल जैन हैं।
६. सभी प्रमुख समाचार पत्रों के मालिक जैन हैं।
७. भारत के विकास मे २५% योगदान जैनों का है।

जबकि कुल जैन समुदाय की भारत मे जनसंख्या सिर्फ १% ही है।

श्रीमति भारती संजय जैन
भोपाल

शुभकामनाएं सतत् सफलताओं हेतु

उज्जैन। विगत माह दामपत्य की वर्षगांठ पर मन भावन आयोजनों की श्रृखला इस माह जन्म दिन की शुभकामनाओं के बाहुल्य से भरी रही। भारतीय संस्कृति के पोषक जैस सदस्यों ने अपने युवा और कर्मठ सहयोगी श्री दीपक जैन, एक्सल कम्प्यूटर को १५ जुलाई को दामपत्य की वर्षगांठ पर स्नेह भरी मंगल कामनाएं दी व इस आयोजन को लगभग ४ माह के लिये विराम दे दिया , क्योंकि किसी भी सदस्य ने भारतीय परम्पराओं का उल्लंघन नही किया।

जुलाई माह ने जिस तरह मालवा आँचल को अपनी शीतल फुहारों से सराबोर कर मेघों नें आन्नदित किया उसी तरह १ जुलाई से इंजी. सुनील जैन आर ई एस व इंजी. राजेश जैन एम पी ई बी एवं ,श्रीमति रानी जैन धर्मपत्नी इंजी पवन जैन एम पी ई बी को ५ जुलाई व श्रीमति ममता जैन धर्म पत्नी .इंजी.बी.के.जैन पी डब्यु डी को ६ जुलाई को जन्म दिन की मंगल कामनाए देकर उनके सुखद भविष्य की कामना की।

जैस सदस्यों ने जन्म दिन के शुभ दिन को १७ जुलाई को श्रीमती मंजुला जैन ध.प. ईंजी दिलिप जैन पी डब्यु डी व ईजी प्रवीण के जैन को सुहावना बनाया बनाया , तो २० जुलाई को श्रीमती सीमा शाह ध.प. ईजी. शेलेन्द्रशाह, संयोजक विवाह वर्षगांठ समिति व २२ जुलाई को श्री मति सुधा जैन धर्म पत्नी इजी संतोष जैन एम पी ई बी को जनमदिन के उत्साह में सराबोर किया। हमारे वरिष्ठ सदस्य इजी. जवाहर जैन २४ जुलाई व जन्म दिन संयोजक इंजी जै.के.जैन पालीटेकनिक को २५ जुलाई को जन्मदिन को मंगलकामनाए दी।

सुखद संयोग की अभिवृद्धि ५ अगस्त को श्रीमति रेणू जैन व २७ अगस्त को उनके पति इंजि अतुल जैन विशाल इलेक्ट्रिकल को तथा १ अगस्त को डॉ एस के जैन सेवानिवृत जी.ई.सी. व ६ अगस्त को उनकी सहधर्मिणी श्रीमती मनोहर जैन को हम सभी ने मंगल स्वास्थ्य व शतायु हो कर मार्गदर्शन देने की कामना की। दोनो युगल जैस उज्जैन के वरिष्ठ सदस्य है।

इस सुखद श्रृखला को ६ अगस्त को हमारे युवा कर्मठ सदस्य इजी योगेश मितल व १२ अगस्त को इजी भरत शाह, विकास प्लास्टिक को जन्म दिन की मंगल कामनाए जैस सदस्यो ने दी। यह माह सावन की शीतल फूहारो की तरह ही शुभावसरों पर मंगलकामनाओ से सराबोर रहा।

हमारे अध्यक्ष इंजी आर सी जैन का दुर्घटनाग्रस्त होना इस माह फूहारों के बीच क्वार की गर्मी सा कष्टदायक रहा। अब वह स्वस्थ हैं।

ईजी. अरूण कुमार जैन
जनसम्पर्क अधिकारी, जैस उज्जैन म.प्र.

कोटा चेप्टर ने किया बारां जिला कलेक्टर श्री नवीन जैन का सम्मान

जैन इन्जिनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर द्वारा महाकवि आचार्य विद्यासागर छात्रावास दिगम्बर जैन भगवान महावीर संस्थान नसिया जी दादाबाडी में बारां जिला कलक्टर श्री नवीन जैन का सम्मान किया जिसमें जैन इन्जिनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर के अध्यक्ष श्री अजय बाकलीवाल उपाध्यक्ष श्री विमल चन्द जैन सहित कोटा शहर की अग्रणी संस्थाऐं श्री सकल दिगम्बर जैन समाज समिति कोटा, दिगम्बर जैन बघेरवाल संघ कोटा, जनरल मर्चेन्ट एसोसिएशन कोटा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चांदखेडी, उपभोक्ता सहयोग संस्थान कोटा, जैन सोश्यल ग्रुप (मेन) कोटा तथा जैन अकलंक पब्लिक स्कूल के पदाधिकारियों सहित शहर की विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य महानुभाव उपस्थित हुये। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा श्री नवीन जैन को बारां जिला कलक्टर के पद से निदेशक पंचायती राज. विभाग जयपुर (राज.) के पद पर पदस्थापित किया है।

इस आवसर पर श्री नवीन जैन द्वारा आचार्य विद्यासागर छात्रावास के शहर में विभिन्न कोचिंग संस्थानों में आई.आई.टी., बी.ई., सी.ए., सी.एस. इत्यादि की कोचिंग प्राप्त कर रहे छात्रों को लगभग १ घन्ट के भावनात्मक सम्बोधन में भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफलता प्राप्त करने के सूत्र बतायें। श्री नवीन जैन द्वारा छात्रों को प्रेरित किया गया कि यदि जीवन में उच्चतम लक्ष्य निर्धारित कर अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त मेहनत की जाये तो सफलता निश्चित ही मिलेगी। उन्होंने अपने जीवन के समस्त अनुभव छात्रों को बताये उन्होनें बताया, कि वर्तमान मे जैन समाज के बच्चों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपना स्थान बनाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है।

प्रेम कासलीवाल सचिव
कोटा चेप्टर, कोटा

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर द्वारा कोलार डेम पर वृक्षारोपण

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर का दिनांक २४ जुलाई २०११ को भोपाल से लगभग ४० कि.मी. दूर कोलार डेम पर वृक्षारोपण एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी के सभी सदस्य टी.टी. जैन मंदिर प्रांगण में प्रातः ८.३० बजें एकत्रित हुये, जहां पर गरमागरम स्लपहार की व्यवस्था की गई।

टी.टी. नगर जैन मंदिर भोपाल से कोलार डेम जाने हेतु दो बसों की निःशुल्क व्यवस्था ग्रुप के इंजी० श्री व्ही.के.जैन (ज्ञानगंगा) द्वारा उपलब्ध कराई गई तथा चलती बस में इंजी. एम.के. मालू द्वारा रोचक गेम (एक्सरे-आई) खिलाया गया। डेम पर सावन का काफी सुहाना मौसम था, जिसमें सभी ने गरमागरम पकोड़े, हल्वा आदि का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ तदोपरांत ग्रुप के सदस्यों के बीच विभिन्न योजनाओं पर विचार विमर्श हुआ । इंजी. शरद सेठी एवं इंजी. मनोज जैन द्वारा रोचक हाऊजी खिलवाई गई तथा श्रीमती रश्मी-मनोज जैन, श्रीमती भारती-संजय जैन, श्रीमती ललित-अमिताभ मनयाँ द्वारा रोचक गेम खिलवाये गये तथा कपल गेम भी खिलवाये गये।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर द्वारा डेम के गेस्ट हाउस से लगी हुई जमीन पर गड्डे कर, विभिन्न प्रजातियों के पौधो का वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण में सदस्यों के साथ साथ ग्रुप के छोटे छोटे बच्चों एवं डेम पर जो अन्य लोग मौजूद थे, उन्होंने भी बढ-चढ़कर हिस्सा लिया।

इंजी. शरदचंद तामोट की बिटियां (श्रीमती निमिशा जैन तामोट) जिन्होंने अमेरिका में चाईल्ड डेवलपमेंट का कोर्स किया हुआ है के द्वारा बच्चों के उचित विकास एवं उज्जवल भविष्य के लिये माता-पिता को क्या क्या करना चाहिए के बारे में काफी महत्वपूर्ण बाते बताई गई।

सु-स्वादिस्ट भोजन एवं व्यंजन, घेवर-मलाई व सिके हुये भुट्टों का सदस्यों ने भरपूर आनन्द लिया।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर द्वारा भोपाल के कुष्ठ आश्रम में पीने के पानी की ओवरहेड टंकी, स्टेण्ड एवं पाईप लाईन आदि की जो व्यवस्था की गई थी, उसके लिये ग्रुप के निम्न सदस्यों ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया :-

श्रीमती सुमनलता-अरूण जैन(वर्धमान), श्रीमती अरूणलता-आर.सी.जैन, श्रीमती (डॉ.) निशि-सुनील गोधा, श्रीमती ललित-अमिताभ मनयाँ, श्रीमती विजया-शरद सेठी, श्रीमती शोभा-व्ही.के. जैन(ज्ञानगंगा), श्रीमती रश्मी-मनोज जैन, श्रीमती कीर्ति- पी.के. जैन, श्रीमती अल्का-पी.के.जैन, श्रीमती सुधा-शरदचंद्र सेठी, श्रीमती शोभना- अभय कियावत, श्रीमती मनीमाया-एम.एम.जैन, श्रीमती मंजु-पी.सी.जैन, श्रीमती सविता-कल्याण जैन, श्रीमती प्रिति-शरद तामोट, श्रीमती क्रांति - एस.सी.जैन।

अंत में ग्रुप के अध्यक्ष शरद सेठी एवं सचिव अमिताभ मनयाँ द्वारा ग्रुप के सभी सदस्यों का उनके सहयोग एवं पर्यावरण प्रेम हेतु प्रसंशा व्यक्त की गई तथा विशेष रूप से सिंचाई विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों व कैटरर श्री सहदेव का अभार भी व्यक्त किया गया।

(शरद सेठी)

अध्यक्ष

Love and Marriage explained beautifully

A student asked a teacher, "What is love?" The teacher said, "in order to answer your question, go to the wheat field and choose the biggest wheat and come back. But the rule is: you can go through them only once and cannot turn back to pick." The student went to the field, go through first row, he saw one big wheat, but he wonders….may be there is a bigger one later.

Then he saw another bigger one… but may be there is an even bigger one waiting for him.

Later, when he finished more than half of the wheat field, he starts to realize that the wheat is not as big as the previous one he saw, he knows he has missed the biggest one, and he regretted.

So, he ended up, went back to the teacher with empty hand.

The teacher told him, "….this is love… you keep looking for a better one, but when later you realize, you have already miss the person….."

*"What is marriage then?" the student asked.

The teacher said, "in order to answer your question, go to the cornfield and choose the biggest corn and come back. But the rule is: you can go through them only once and cannot turn back to pick."

The student went to the cornfield, this time he is careful not to repeat the previous mistake, when he reaches the middle of the field, he has picked one medium corn that he feels satisfied, and comes back to the teacher.

The teacher told him, "this time you bring back a corn….you look for one that is just nice, and you have faith and believe this is the best one you get….

this is marriage."

Courtesy—

Swayam Utthan, Indore

If you Stand for a Reason,

If you Stand for a Reason,

Be prepared to stand like a Tree,

If you fall on the ground, Fall as a seed, That grows back…. To fight again.

Heavy rains remind us of challenges in life. Never ask for a lighter rain.

Just pray for a better umbrella.

That is attitude.

When flood comes, fish eat ants & when flood recedes, ants eat fish. Only time matters.

Just hold on, God gives opportunity to everyone!

Life is not about finding the right person, but creating the right relationship,

it's not how we care in the beginning, but how much we care till the very end.

Some people always throw stones in your path. It depends on you what you make with them.

A Wall or a Bridge? Remember you are the architect of your life.

Search for a beautiful heart, but don't search for a beautiful face'.

Coz beautiful things are not always good, but good things are always beautiful.

It's not important to hold all the good cards in life.

But it's important how well you play with the cards you hold.

Often when we lose all hope & think this is the end,

God smiles from above and says, `relax dear it's just a bend. Not the end.

Have Faith and have a successful life.

One of the basic differences between God and humans is, God gives, gives and forgives.

But the human gets, gets, gets and forgets.

Be thankful in life....

Er A.V.Subramanium , Hyderabad

God & Me

God : Hello…Did you call me?
Me : Called you? No.. who is this?
God : This is GOD, I heard your prayers. So I thought I will chat.
Me : I do pray. Just makes me feel good. I am actually busy now. I am in the midst of something..
God : What are you busy at? Ants are busy too.
Me : Don't know. But I cant find free time. Life has become hectic. It's rush hour all the time.
God : Sure. Activity gets you busy. But productivity gets you results. Activity consumes time. Productivity frees it.
Me : I understand. But I still cant figure it out. By the way, I was not expecting YOU to buzz me on instant messaging chat.
God : Well I wanted to resolve your fight for time, by giving you some clarity. In this net era, I wanted to reach you through the medium you are comfortable with.
Me : Tell me, why has life become complicated now?
God : Stop analyzing life. Just live it. Analysis is what makes it complicated.
Me : Why are we then constantly unhappy?
God : Your today is the tomorrow that you worried about yesterday. You are worrying because you are analyzing. Worrying has become your habit. That's why you are not happy.
Me : But how can we not worry when there is so much uncertainty?
God : Uncertainty is inevitable, but worrying is optional.
Me : But then, there is so much pain due to uncertainty..
God : Pain is inevitable, but suffering is optional.
Me : If suffering is optional, why do good people always suffer?
God : Diamond cannot be polished without friction. Gold cannot be purified without fire. Good people go through trials, but don't suffer. With that experience their life becomes better not bitter.
Me : You mean to say such experience is useful?
God : Yes. In every terms, Experience is a hard teacher. She gives the test first and the lessons afterwards.
Me : But still, why should we go through such tests? Why can't we be free from problems?
God : Problems are Purposeful Roadblocks Offering Beneficial Lessons (to) Enhance Mental Strength. Inner strength comes from struggle and endurance, not when you are free from problems.
Me : Frankly in the midst of so many problems, we don't know where we are heading..
God : If you look outside you will not know where you are heading. Look inside. Looking outside, you dream. Looking inside, you awaken. Eyes provide sight. Heart provides insight.
Me : Sometimes not succeeding fast seems to hurt more than moving in the right direction. What should I do?
God : Success is a measure as decided by others. Satisfaction is a measure as decided by you. Knowing the road ahead is more satisfying than knowing you rode ahead. You work with the compass Let others work with the clock.
Me : In tough times, how do you stay motivated?
God : Always look at how far you have come rather than how far you have to go. Always count your blessing, not what you are missing.
Me : What surprises you about people?
God : When they suffer they ask, "why me?" When they prosper, they never ask "Why me". Everyone wishes to have truth on their side, but few want to be on the side of the truth.
Me : Sometimes I ask, who am I, why am I here. I can't get the answer.
God : Seek not to find who you are, but to determine who you want to be. Stop looking for a purpose as to why you are here. Create it. Life is not a process of discovery but a process of creation.
Me : How can I get the best out of life?
God : Face your past without regret. Handle your present with confidence. Prepare for the future without fear.
Me : One last question. Sometimes I feel my prayers are not answered.
God : There are no unanswered prayers. At times the answer is NO.
Me : Thank you for this wonderful chat. I am so happy to start the New Day with a new sense of inspiration.
God : Well. Keep the faith and drop the fear. Don't believe your doubts and doubt your beliefs. Life is a mystery to solve, not a problem to resolve.

Kishor Khabiya (Jain), JITO , Mumbai

कॉंच की बरनी और दो कप चाय

जीवन मे जब सब कुछ साथ ओर जल्दी - करने की इच्छा होती है, सब कुछ तेजी से पा लेने की इच्छा होती है, और हमे लगने लगता है कि दिन के चौबीस घंटे भी कम पड़ते हैं, उस समय ये बोध कथा 'कॉंच की बरनी और दो कप चाय' हमे याद आती है।

दर्शनशास्त्र के एक प्रोफेसर कक्षा मे आये और उन्होने छात्रों से कहा कि वे आज जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाने वाले हैं.....

उन्होने अपने साथ लाई एक कॉंच की बड़ी बरनी (जार) टेबल पर रखा और उसमे टेबल टेनिस की गेंदें डालने लगे और तब तक डालते रहे जब तक कि उसमे एक भी गेंद समाने की जगह नही बची.....

उन्होने छात्रों से पूछा - क्या बरनी पूरी भर गई?हॉं... आवाज आई....

फिर प्रोफेसर साहब ने छोटे - छोटे कंकर उसमे भरने शुरु किये, धीरे धीरे बरनी को हिलाया तो काफ़ी सारे कंकर उसमे जहॉं जगह खाली थी समा गये, फिर से प्रोफेसर साहब ने पूछा, क्या अब बरनी भर गई है, छात्रों ने एक बार फिर हॉं....कहा

अब प्रोफेसर साहब ने रेत की थैली से हौले - हौले उस बरनी मे रेत डालना शुरु किया, वह रेत भी उस जार मे जहॉं संभव था बैठ गई, अब छात्र अपनी नादानी पर हँसे..... फिर प्रोफेसर साहब ने पूछा, क्यों अब तो यह बरनी पूरी भर गई ना?हॉं....अब तो पूरी भर गई है....सभी ने एक स्वर मे कहा......

सर ने टेबल के नीचे से चाय के दो कप निकालकर उसमे की चाय जार मे डाली, चाय भी रेत के बीच स्थित थोड़ी सी जगह मे सोख ली गई..............

प्रोफेसर साहब ने गंभीर आवाज मे समझाना शुरु किया

इस कॉंच की बरनी को तुम लोग अपना जीवन समझो.......

टेबल टेनिस की गेंदें का सबसे महत्वपूर्ण भाग अर्थात भगवान, परिवार, बच्चे, मित्र स्वास्थ्य और शोक हैं, छोटे कंकर मतलब तुम्हारी नौकरी, कार, बड़ा मकान आदि हैं, और रेत का मतलब और भी छोटी - छोटी बेकार सी बातें, मनमुटाव, झगड़े हैं....

अब यदि तुमने कॉंच की बरनी मे सबसे पहले रेत भरी होती तो टेबल टेनिस की गेंदों और कंकरों के लिये जगह ही नही बचती, या कंकर भर दिये होते तो गेंदें नही भर पाते, रेत जरुर आ सकती थी....

ठीक यही बात जीवन पर लागू होती है.... यदि तुम छोटी - छोटी बातों के पीछे पड़े रहोगे और अपनी उर्जा उसमे नष्ट करोगे तो तुम्हारे पास मुख्य बातों के लिये अधिक समय नही रहेगा.... मन के सुख के लिये क्या जरुरी है ये मुम्हे तय करना है। अपने बच्चों के साथ खेलो, बगीचे मे पानी डालो, सुबह पत्नि के साथ घूमने निकल जाओ, घर के बेकार सामान को बाहर निकाल फेंको, मेडिकल चेक - अप करवाओ....टेबल टेनिस गेंदों की फिक्र पहले करो, वही महत्वपूर्ण है.....पहले तय करो कि क्या जरुरी है..............बाकी सब तो रेत है.....

छात्र बड़े ध्यान से सुन रहे थे... अचानक एक ने पूछा, सर लेकिन आपने यह नही बताया कि 'चाय के दो कप' क्या हैं? प्रोफेसर मुस्कुराये, बोले... मै सोच ही रहा था कि अभी तक ये सवाल किसी ने क्यों नही किया... इसका उत्तर यह है कि, जीवन हमे कितना ही परिपूर्ण और संतुष्ट लगे, लेकिन अपने खास मित्र के साथ दो कप चाय पीने की जगह हमेशा होनी चाहिये।

पंकज जैन
BHEL - JHANSI

रोशनी को मिली ज्योति

केट के स्टाफ ने पेश की मानव सेवा की अनूठी मिशाल

इन्दौर, 2 अगस्त. राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिक केन्द्र स्टाफ के सदस्यों के आपसी सहयोग ने मानव सेवा की अनूठी मिशाल पेश की है, जिसकी वजह से 2 वर्ष की एक नेत्रहीन बालिका रोशनी की आंखों को ज्योति मिली है.

आरआरकेट में टाइप डी के 18 मकानों के निर्माण के दौरान इंजीनियर निकेतन सेठी को निगाह एक 2 वर्ष की बालिका पर पड़ी. वह हमेशा एक जगह पर बैठी रहती थी. कभी-कभी वह थोड़ा बहुत आसपास चलती थी, लेकिन गिर जाती थी. उसके पास जाकर देखने से पता चला कि वह देख नहीं सकती थी. इसका कारण था कि जन्म के तुरंत बाद उसकी मां ने जहरीली वस्तु खा ली थी, जिसकी वजह से वह नेत्रहीन हो गई थी.

आरआर केट के सिविल प्रभार के तकनीशियन एस वासुदेवने ने उस बच्ची को आरआर केट के चिकित्सा केन्द्र के अतिथि नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एसएच मंकड़ के पास भिजवाया तो उन्होंने बताया कि बच्ची की आंखें ठीक हो सकती हैं. लेकिन इलाज का खर्च रूपए 40000 रूपए आएगा. बच्ची के माता पिता दोनों मजदूरी करते हुए अपना जीवन यापन करते हैं. बच्ची के इलाज करवाना उनके लिए संभव नहीं था.

अतः इस विषय पर चोइथराम नेत्रालय में बातचीत की गई तो वहां के डॉक्टर उदय नाइक ने कहा कि हम चोइथराम फाउंडेशन के जरिए ऑपरेशन, विभिन्न जांच प्रक्रियाओं में श्री एस वासुदेवन ने प्रत्येक शनिवार एवं रविवार जाकर इस कार्य को अंजाम दिया और आरआरकेट के सदस्यों ने वित्तीय सहायता प्रदान की. श्री वासुदेवन और अन्य लोगों की मदद से रोशनी की आंखें ठीक हो गई.

Er. Niketan Sethi Indore

747 Taking off from Amsterdam----- An amazing picture of a disaster that did not happen

EVA Air Boeing 747-45EM taking off from runway 36L at Amsterdam, Schiphol, Netherlands.

The great timing and angle just makes this shot, and the size of the 747, look surreal.

The distance to the fence was 145 meters(475ft)... Yikes! I wonder if anyone computed the takeoff distance prior to the trip?

This is an amazing picture of a disaster that didn't happen. From the smallest airplane to the largest, weight & balance calculations are a critical part of flight safety. From the looks of this 747, the weight was within the CG envelope, but if they'd have added one more 'marshmallow' to each snack tray, this BIRD might not have cleared the fence !!!!

Er Lalit Sanghavi, Mumbai

3 NICE STORIES

1. Once, all villagers decided to pray for rain. On the day of prayer a boy came with an umbrella.

   THATS FAITH.

2. When you throw a one year baby in the air, he laughs because he knows you will catch him

   THATS TRUTH

3. Every night we go to bed without an assurance to be alive next morning but still we have plans for tomorrow.

   THATS HOPE.

Live life with Faith, Trust & Hope.

Smt. Bharti Sanjay Jain
JES Bhopal Chapte

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at www.jainengineerssociety.com or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail. You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation atjainengineers@eth.net or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. Santosh Bandi (President (M) 9300023181 Er. Santosh K. Jain, Indore (General Secretary), (M) 9993063331
INDORE CHAPTER	-	Er. N.K. Jain (President), (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425060804
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425060804
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036056, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Satyendra Jain (President) (M) 094250 92094 Er. Praveen Jain (Secretary) (M) 09425463438
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981Er. Anil Kumar Shah (Secretary) (M) 09829185226
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9406531900
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600 (M) 9423036902
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295 (M) 9425432295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Chetan Thole (M) 09822791020
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक / प्रेषक / संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मनोप्रेम 144, कंचन बाग, इन्दौर-452002 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society,144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain